MASA-05

December - Examination 2017

M.A. (Final) Sanskrit Examination

गद्य तथा काव्य

Paper - MASA-05

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 80**

निर्देश : यह प्रश्न पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड – 'अ' **$8 \times 2 = 16$**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1) (i) स्तोत्र शब्द का अर्थ क्या है?

(ii) कादम्बरी गद्य की किस विधा के अन्तर्गत आती है?

(iii) शिशुपालवध को किस नाम से जाना जाता है?

(iv) 'शिशुपाल' कहाँ का राजा था?

(v) कादम्बरी की सखी का क्या नाम है?

(vi) विक्रमांकदेवचरितम् में किस वंश के राजाओं का वर्णन है?

(vii) विक्रमांकदेवचरितम् का अंगीरस क्या है?

(viii) विक्रमांकदेवचरितम् महाकाव्य में कुल कितने सर्ग हैं?

खण्ड – ब **4 × 8 = 32**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 200 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 8 अंकों का है।

2) ''देव! विदितसकलशास्त्रार्थः, राजनीति –
प्रयोगकुशलः, पुराणेतिहासकथालापनिपुणः,
वेदितागीतश्रुतीनाम्, काव्यनाटकाख्ययिकाख्यानक–
प्रभृतीनामपरिमितानां सुभाषितानामध्येता
स्वयञ्च कर्त्ता, परिहासालापपेशलः,
वीणा–वेणु–मुरजप्रभृतीनां वाद्यविशेषाणामसमः श्रोता,
नृत्यप्रयोगदर्शननिपुणः, चित्रकर्मणिप्रवीणः,
द्यूतव्यापारे प्रगल्भः, प्रणयकलह–कुपित–कामिनी–
प्रसादनोपायचतुरः, गज–तुरग–पुरुष–स्त्री–लक्षणाभिज्ञः,
सकलभूतलरत्नभूतोऽयं वैशम्पायनो नाम शुकः।

अथवा

एकतमस्तु जरच्छ बरस्तस्मात् पुलिन्द –
वृन्दादनासादितहरिण – पिशितः पिशिताशन इव
विकृतदर्शनः पिशितार्थी तस्मिन्नेव तरूतले
मुहूर्त्तमिव व्यलम्बत। अन्तरिते च तस्मिन्
शबर सेनापतौ स जीर्णशबरः पिबन्निवास्माकमायूंषि
रूधिरबिन्दुपाटलया कपिलभ्रूलता – परिवेषभीषणया
दृष्ट्या गणयन्निव शुककुल – कुलायस्थानानि श्येन इव
विहगामिषास्वाद – लालसः सुचिरमारूरूक्षुस्तं
वनस्पतिमामूलादपश्यत्। उत्क्रान्तमिव तस्मिन् क्षणे
तदालोकन – भीतानां शुककुलानामसुभिः।

3) निम्नलिखित श्लोक की सप्रसंग व्याख्या कीजिये।

षड्गुणाः शक्तयस्तिस्रः सिद्धयश्चोदयास्त्रयः।
ग्रन्थानधीत्य व्याकर्त्तुमिति दुर्मेधसोऽप्यलम्।।

अथवा

बृहत्सहायः कायन्तिं क्षोदीयानपि गच्छति।
सम्भूयांमोधिमभ्येति महानद्या नगापगा।।

4) निम्नलिखित श्लोक की संस्कृत में व्याख्या कीजिये।

कथासु ये लब्धरसा – कवीनां ते नानुरज्यन्ति कथान्तेरेषु।
न ग्रन्थिपर्णप्रणयाश्चरन्ति कस्तूरिकागन्धमृगास्तृणेषु।।

अथवा

महिम्नः पारं ते परमविदुषो यद्यसदृशी,
स्तुतिब्रह्मादीनापि तदवसन्नास्त्वयि गिरः।
अथावाच्यः सर्वः स्वमतिपरिणामवधिगृणन्।
ममाप्येष स्तोत्रे हर निरपवादः परिकरः।।

5) कादम्बरी में वर्णित प्रकृति चित्रण पर लेख लिखिये।

6) शिवमहिम्नः स्त्रोत्र के आध्यत्मिकता पर प्रकाश डालिये।

7) विक्रमांकदेवचरितम् के आधार पर बिल्हण की भाषा शैली पर लेख लिखिये।

8) 'माघे सन्ति त्रयो गुणाः' विषय की समीक्षा कीजिये।

9) कादम्बरी में वर्णित प्रेम–सौन्दर्य पर लेख लिखिये।

खण्ड – स **$2 \times 16 = 32$**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप को अपने उत्तर को अधिकतम 500 शब्दों में परिसीमित करना है। प्रत्येक प्रश्न 16 अंकों का है।

10) 'माघ राजनीति के महा पण्डित हैं' इस कथन की समीक्षा कीजिये।

11) महाकवि बाणभट्ट के समासबहुल गद्य – शैली पर लेख लिखिये।

12) ''विक्रमांकदेवचरितम् में वैदर्भी रीति के सफल प्रयोग किये गये हैं'' इस कथन की समीक्षा कीजिये।

13) 'शिव चराचर जगत् के कर्त्ता हैं' शिवमहिम्नः स्तोत्र के आधार पर स्पष्ट कीजिये।